धन प्रबंधन – अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

धन प्रबंधन क्या है?

धन प्रबंधन एक उन्नत निवेश सलाहकार अनुशासन है जो वित्तीय योजना और विशेषज्ञ वित्तीय सेवाओं को सम्मिलित करता है।

वित्तीय आयोजना क्या है?

अपने वित्तीय भविष्य की योजना बनाने का एक सरल और प्रभावी तरीका जैसे आप किसी और काम के लिए योजना बनाते हैं – एक फिल्म देखने के लिए हम यह पता लगाने हैं कि हमें क्या पसंद है, यह कहां पर दिखाया जा रहा है, हम वहां कैसे पहुंचेंगे और इसकी लागत क्या होगी। तेज़ी से बदलती दुनिया में, वित्तीय रूप से यह जानना आवश्यक है कि हम कहां हैं, हमारे सपने क्या हैं और वित्तीय स्वतंत्रता सहित प्रत्येक सपने को साकार करने के लिए कितने धन की आवश्यकता है।

वित्तीय आयोजना क्यों महत्वपूर्ण है? वित्तीय आयोअजना (एफपी) के क्या लाभ हैं?

अपने और अपने प्रियजनों को वित्तीय जोखिम से बचाने के लिए।

अपनी आय के अनुरूप यथा संभव जीवन शैली प्राप्त करने के लिए।

अपने बच्चों के लिए यथा संभव शिक्षा की योजना बनाने के लिए या अपने सपनों का घर खरीदने के लिए।

अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए पर्याप्त आधार्भूत निधि बनाने के लिए।

जब आप चाहें और जैसे चाहें सेवानिवृत्त हो सकें।

यह देखना महत्वपूर्ण है कि क्या हम उस जीवन शैली को प्राप्त कर सकते हैं जिसके लिए हम तरसते हैं, जैसे कि एक सपनों का घर, वह आकर्षक कार, बच्चों को अच्छी तरह से शिक्षित करना या सभी का सबसे बड़ा सपना जल्दी सेवानिवृत्त होना और शांति से जीवन का आनंद लेना।

वित्तीय आयोजना के माध्यम से हम यह निर्धारित करने में सक्षम हो जाते हैं कि, हमें अपने सपनों और लक्ष्यों को साकार करने के लिए लगभग कितना कमाना, बचत करना और निवेश करना है। सबसे बड़ा फायदा यह है कि प्रत्येक रुपया कहां जाता है इस पर हमारा नियंत्रण रहेगा, पैसे का मूल्य जान सकता है और हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि बचाया गया हर रुपया अधिक पैसा कमाता है , इस प्रकार पैसे के लिए हम काम करने के बजाय पैसा हमारे लिए काम करेगा।

किसी प्रत्येक व्यक्ति को वित्तीय आयोजना की शुरुआत कब करनी चाहिए?

शुरू करने का आदर्श समय अभी है। कम उम्र में शुरुआत करना एक बड़ा फायदा है। बहुत से लोग वित्तीय आयोजना को टाल देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि "मैं युवा हूं और एक साल के इंतजार से क्या फर्क पड़ सकता है" – यह वास्तव में एक बड़ा अंतर ला सकता है!

30 के आयू पर आपका बचत 1000 रुपए प्रति माह है जो 65 वर्ष की आयु तक चलता है , 10% प्रति वर्ष कमाते हुए, 37,96,640 बनाता है, लेकिन अगर यह व्यक्ति एक वर्ष और इंतजार करता है क्योंकि वह बहुत व्यस्त था, तो वह 65 वर्ष का होने पर केवल 34,25,390 कमाता है ।

एक साल के इंतजार की कीमत 3,71,250 होगी! ! !

प्रत्येक व्यक्ति वित्तीय आयोजना की शुरुआत कैसे की जाती है?

इस तरह की एक साधारण वित्तीय आयोजना वर्कशीट के माध्यम से, जो हमारे सपनों को साकार करने की यात्रा का नक्शा देती है।

मैं अपने निवल मूल्य की गणना कैसे करूं?

सीधे शब्दों में कहें तो आपकी निवल मूल्य आपकी सभी संपत्तियां हैं (घर, निवेश, जमा, गहने, आरई) - आपकी सभी देयताएं (आपके घर, शिक्षा पर बकाया ऋण, क्रेडिट कार्ड ऋण, वैयक्तिक ऋण आदि)

मैं अपने वित्तीय लक्ष्य कैसे निर्धारित करूं?

यह इस बात का व्युत्पन्न है कि आप भविष्य में क्या चाहते हैं जैसे अपना घर, विदेश में छुट्टी, एक नई कार या शांतिपूर्वक सेवानिवृत्त होने के लिए पर्याप्त धन।

आर्थिक माहौल में इतनी अनिश्चितता के साथ, किसी योजना का क्या फायदा?

भले ही दृष्टिकोण अनिश्चित हो, योजना नहीं करना अब कोई विकल्प नहीं है। वास्तव में खर्चे निश्चित हैं। हममें से कोई नहीं चाहेगा कि हमारे बच्चों को खराब शिक्षा मिले क्योंकि हम एक बेहतर कॉलेज का खर्च उठा नहीं सकते या किराए के घर में रहें जबकि हम एक सपनों का घर चाहते हैं या सेवानिवृत्ति को स्थगित करना चाहते हैं।

मुद्रास्फीति क्या है, और इसका वित्तीय योजना पर क्या प्रभाव पड़ता है?

मुद्रास्फीति एक मूक चोर है जो आपके पैसे के मूल्य को खा जाती है – बिना आपके जानकारी के। दूसरे शब्दों में, यह कीमतों में वृद्धि है जिसके बारे में हम सभी बात करते हैं। यदि आपके पास 100 रुपये हैं और मुद्रास्फीति की दर 6% है, तो आप हर साल 6% खो देते हैं (इसे दूसरे तरीके से रखने के लिए, एक साल पहले चीज़ो को खरीदने के लिए आपको 100 रुपए की ज़रूरत थी उसके लिए अभी आपको 106 रुपये की आवश्यकता होती है। (याद रखें कि जब आप कॉलेज में थे तब मूवी टिकट की कीमत कितनी थी और अब इसकी लागत कितनी है, यह मुद्रास्फीति है)

इसलिए यदि आप अपना सारा पैसा बचत खाते में डालते हैं जब मुद्रास्फीति 6% है और आप 3.50% ब्याज अर्जित करते हैं, तो आप हर साल 2.50% खो रहे हैं – और यह ब्याज पर कर से पहले है।

एसेट एलोकेशन प्लान (AAP) क्या है?

एएपी अपने सभी अंडे एक टोकरी में न रखने के बारे में है। उन सेवानिवृत्त लोगों को याद करें जिन्होंने अपना सारा पेंशन पैसा चिट फंड में लगाया और सब कुछ खो दिया या डॉट कॉम स्टॉक में निवेश किए गए निवेशक? एएपी निवेश को वर्गों में फैलाकर जोखिम को कम करने के बारे में है ताकि जोखिम में विविधता हो और कुछ हद तक कम हो।

प्रमुख परिसंपत्ति वर्ग हैं

1. इक्विटी – उच्चतम जोखिम के साथ उच्चतम रिटर्न का प्रतिनिधित्व करता है|

2. कर्ज़ – जैसे कि एफडी, बॉण्ड, पेंशन/भविष्य निधि – निवेश जिसका एक निश्चित रिटर्न है।

3. नकद और मुद्रा बाज़ार लिखत – मुख्य रूप से बरसात के दिन के लिए आरक्षित निधि के रूप में उपयोग किया जाता है। नकद अनिश्चित समय में मदद करता है, लेकिन कोई रिटर्न नहीं देता है। अल्पावधि निवेशों में निवेश करना बेहतर हो सकता है, जिसमें कुछ ब्याज के साथ पूंजी गारंटी हो|

4. स्थावर संपदा – या तो एक प्राथमिक घर या भूमि के रूप में / आरई फंड के माध्यम से|

5. वैकल्पिक संपत्तियां – सोना, आदि के जैसे वस्तुएं।

एक योजना विकसित करने के बाद, आगे क्या?

एक योजना पहला कदम है जिसके बाद वास्तविक कार्यान्वयन जैसे कि संपत्तियों में उपलब्ध धन को विभाजित करना, एएपी के अनुसार कहां निवेश करना है यह निर्धारित करना इसका पालन किया जाना चाहिए और फिर वास्तविक निवेश करना चाहिए। योजना को समय-समय पर समीक्षा करने की आवश्यकता है कि क्या किसी भी बदलाव की आवश्यकता है।

विविधीकरण क्या है, और यह क्यों महत्वपूर्ण है?

विविधीकरण जोखिम को सभी संपत्तियों में इस तरह फैलाना है कि निवेश जोखिम अधिक न हो। यह आपके सभी अंडों को एक टोकरी में नहीं रखने के बारे में है।

ट्रैकिंग और रीबैलेंसिंग क्या है?

ट्रैकिंग यह सुनिश्चित करती है कि योजना सही दिशा में है – यदि एक साल में शेयर बाजार नीचे चला जाता है और एएपी के अनुसार आपके पास 40% स्टॉक होना चाहिए, जबकि बाजार में गिरावट के कारण आपके पास केवल 30% है, तो आपको शेयरों में और पैसा जोड़ने की जरूरत है। ट्रैकिंग निगरानी करना है।

रीबैलंसिंग यह है कि यदि हमारा मूल एएपी 40% इक्विटी 60% कर्ज़ था और एक साल के बाद बाजार की गतिविधियो के कारण यह 35% इक्विटी और 65% कर्ज़ हो जाता है तो हम संविभाग संतुलन कैसे बनाए रखते हैं। कर्ज़ निवेश से 5% को बेचने की जरूरत है और इक्विटी निवेश को इस तरह खरीदा जाना चाहिए है कि मूल एएपी को बनाए रखे। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी निवेशक निवेश करने के मूल नियम का पालन करें जो है कम खरीदो और उच्च बेचो। ट्रैकिंग के परिणामस्वरूप होने वाली क्रिया है पुनर्संतुलित करना।

मुझे कितनी बार अपनी योजना का अद्यतन करनी चाहिए?

तिमाही में एक बार ठीक है। उन लोगों के लिए प्रतिदिन संविभाग की जांच करना बेकार है, जो पूरी लगन से किसी योजना का पालन करते हैं। मीडिया या तो उत्साहपूर्ण या उदास है इसलिए एक निवेशक नकारात्मक हो सकता है या अल्पावधि उतार चढाव से उत्साहित हो सकता है और दीर्घकालिक मूलभूत सिद्धांतों को अनदेखा कर सकता है।

म्युचुअल फंड

मूल बातें:

म्युचुअल फंड क्या है?

म्युचुअल फंड एक ऐसा निवेश है जो निवेशकों को इक्विटी, बॉण्ड या अन्य प्रतिभूतियों जैसे विविध संविभागों तक बडे या छोटे दोनों तरह के पहूंच की अनुमति देता है। प्रत्येक निवेशक फंड के लाभ या हानि में भाग लेता है। इकाइयां आवश्यकतानुसार जारी की जाती हैं और प्रतिदेय की जा सकती हैं। निधी का निवल आस्ति मूल्य (एनएवी) प्रत्येक दिन निर्धारित किया जाता है।

वे ऐसे कंपनियां हैं जो आपका पैसा प्राप्त करती हैं, और फिर ऊपर बताए अनुसार वित्तीय बाजारों में निवेश करती हैं। यह उन व्यक्तियों के लिए एक आदर्श उपकरण है जो निवेश करना चाहते हैं लेकिन बाजारों की जटिलताओं या भाषा विशेषज्ञों द्वारा उपयोग किए जानेवाले रहस्यमय भाषा के कारण निवेश से दूर हो जाते हैं। म्युचुअल फंड की सुंदरता यह है कि कुछ सौ रुपये के निवेश योग्य अधिशेष वाला कोई भी व्यक्ति इसमें निवेश कर सकता है और रिटर्न प्राप्त कर सकता है।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने के क्या फायदे हैं?

छोटे निवेश: म्युचुअल फंड कुछ हज़ार रुपये के रूप में निवेश स्वीकार करते हैं जो कि बाजारों में निवेश किया जाता है। इस तरह का स्प्रेड एक निवेशक के लिए खुद करना मुश्किल होता है।

व्यावसायिकता: पेशेवर व्यक्ति के अनुभव और संसाधन म्यूचुअल फंड द्वारा एकत्रित धन का प्रबंधन करते हैं। वे अच्छे निवेश लेने के लिए बाजारों का विश्लेषण करते हैं।

जोखिम फैलाना: एक छोटी राशि वाला निवेशक केवल एक या दो स्टॉक/बॉण्ड में निवेश करने में सक्षम होगा, इस प्रकार जोखिम बढ़ जाएगा। हालांकि, एक म्युचुअल फंड कई अच्छे स्टॉक या बॉण्ड में निवेश करके अपने जोखिम को फैलाएगा। सामान्य रूप से एक निधि, उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला की कंपनियों में निवेश करता है, इसलिए जोखिम फैला जाता है।

पारदर्शिता और अन्तरक्रियाशीलता: म्युचुअल फंड निवेशकों को उनके निवेश के मूल्य के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। म्युचुअल फंड उनकी विभिन्न योजनाओं द्वारा किए गए निवेश और प्रत्येक परिसंपत्ति प्रकार में निवेश किए गए अनुपात की पूरी तस्वीर भी प्रदान करते हैं।

चलनिधि: ओपन एंडेड फंड को एक्जिट लोड के अधीन एनएवी आधारित कीमतों पर म्यूच्यूअल फंड को वापस बेचा जा सकता है और क्लोज एंडेड फंड को जिन स्टॉक एक्सचेंजों में बेचा जा सकता है जहां उनका व्यापार किया गया है।

विकल्प: निधियों को उपलब्ध एक विस्तृत श्रृंखला से चुना जा सकता है ताकि निवेशक अपने जोखिम और रिटर्न की अपेक्षा के अनुसार उसके लिए जो सबसे अच्छा है उसे चुन सकता है ।

म्युचुअल फंड (एमएफ) को कौन नियंत्रित करता है?

सभी म्युचुअल फंड सेबी के साथ पंजीकृत हैं और वे निवेशक के हितों की रक्षा के लिए बनाए गए सख्त नियमों के प्रावधानों के तहत काम करते हैं।

म्यूचुअल फंड को कौन चलाता है?

http://www.amfiindia.com/spages/images/mfconceptorg.gif

भारत में, म्युचुअल फंड यूनिट ट्रस्ट के रूप में स्थापित किए गए हैं, एक म्युचुअल फंड एक एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) द्वारा चलाया जाता है, जिसकी देखरेख न्यासियां करते हैं।

अगर मैं म्यूच्यूअल फंड में निवेश करता है तो क्या मेरा नुकसान हो सकता है?

जी हां संभव है। अधिकांश म्युचुअल फंड उत्पादों (कैपिटल गारंटीड फंड को छोड़कर) में अंतर्निहित संपत्ति (इक्विटी, बॉण्ड आदि) होती हैं जिसका दैनिक आधार पर उतार-चढ़ाव होते हैं और इसलिए अंतर्निहित संपत्ति की कम कीमतों या बॉण्ड पर चूक के कारण पूंजी हानि की संभावना है। एक परिसंपत्ति आवंटन योजना के अनुसार अन्य पूंजी गारंटीकृत निवेश जैसे कि एफडी, सरकारी गारंटीकृत बॉण्ड आदि में निवेश करके इन्हें काफी हद तक कम किया जा सकता है ।

म्युचुअल फंड में निवेश के लिए उपलब्ध कर लाभ क्या हैं?

लाभांश के लिए:

धारा 10(23डी) के तहत निर्दिष्ट म्यूचुअल फंड की इकाइयों के संबंध में प्राप्त आय भारत में आयकर से मुक्त है और म्यूचुअल फंड, कर्ज़ -उन्मुख योजनाओं में कर वितरण का भुगतान करने के अधीन हैं। इसलिए निवेशकों के लिए सभी लाभांश कर-मुक्त हैं|

इकाइयों की बिक्री के लिए

बिक्री की तारीख से पूर्ववर्ती बारह महीने से अधिक की अवधि के लिए पूंजीगत संपत्ति के रूप में रखी गई योजना की इकाइयों को दीर्घकालिक पूंजीगत संपत्ति के रूप में माना जाएगा - इस प्रकार दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर की दर को आकर्षित करती है।

अन्य सभी मामलों में इसे एक अल्पकालिक पूंजीगत संपत्ति के रूप में माना जाएगा और इस पर अल्पकालिक पूंजीगत लाभ कर की दर लगेगी। इसलिए निवेश की अवधि के आधार पर प्रतिदेय पर, दीर्घकालिक या अल्पकालिक पूंजीगत लाभ और उस पर कर, लागू होता है|

इक्विटी उन्मुख योजनाएं

दीर्घावधि पूंजिगत लाभ : कर मुक्त

अल्पावधि पूंजीगत लाभ : 15%+ अधिभार+ उपकर

अन्य सभी योजनाएं

दीर्घावधि पूंजिगत लाभ : सूचीकरण के साथ 20% या सूचीकरण के बिना 10% जो भी कम हो + अधिभार + उपकर

अल्पावधि पूंजीगत लाभ : निवेशक पर उसके टैक्स स्लैब के अनुसार सामान्य दरें लागू होती हैं |

सुरक्षा लेनदेन कर दर

1 किसी कंपनी में इक्विटी शेयर की खरीद या इक्विटी ओरिएंटेड फंड की एक इकाई, जहां (ए) ऐसी खरीद का लेनदेन किसी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में दर्ज किया जाता है; और (बी) इस तरह के शेयर या यूनिट की खरीद हेतु अनुबंध का निपटान वास्तविक वितरण या ऐसे शेयर के अंतरण या यूनिट के द्वारा किया जाता है 0.125% ।

2. किसी कंपनी में इक्विटी शेयर की बिक्री या इक्विटी ओरिएंटेड फंड की यूनिट, जहां (ए) ऐसी बिक्री का लेनदेन किसी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में दर्ज किया गया है; और (बी) इस तरह के शेयर या यूनिट की बिक्री हेतु अनुबंध का निपटान वास्तविक वितरण या ऐसे शेयर के अंतरण या यूनिट के द्वारा किया जाता है 0.125% ।

3. डेरिवेटिव की बिक्री, जहां ऐसी बिक्री का लेन-देन मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में किया जाता है 0.017% |

4. म्युचुअल फंड को इक्विटी ओरिएंटेड फंड की यूनिट की बिक्री 0.25% |

स्रोत www.reliancemutual.com

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश करने में कोई जोखिम शामिल है?

आपने म्युचुअल फंड योजनाओं के टीवी विज्ञापन देखे होंगे जो फास्ट फॉरवर्ड वॉयस में घोषणा के साथ समाप्त होते हैं: "म्यूचुअल फंड निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन हैं.." यह बिल्कुल सच है। किसी भी अन्य गैर-गारंटीकृत वित्तीय उपकरण की तरह, इसमें विभिन्न जोखिम शामिल हैं जैसे:

मूल्य जोखिम: अंतर्निहित की कीमतें नीचे जा रही हैं, जिससे एनएवी कम हो रहा है।

चलनिधि जोखिम: बाजार का लंबी अवधि के लिए बंद होने के कारण पुनर्खरीद/निवेशों का प्रतिदेय स्थगित हो जाता है ।

चूक जोखिम: चुकौती पर चूक करने वाली किसी विशेष कंपनी के बॉण्ड जो आय/कर्ज़ /हाइब्रिड फंड को प्रभावित करती है ।

क्रेडिट जोखिम: किसी विशेष कंपनी के बॉण्ड रेटिंग एजेंसियों द्वारा डाउनग्रेड करने के कारण कीमतें कम हो रही हैं ।

इस सब के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वास्तविक दुनिया में, सभी या नहीं तो अधिकांश वित्तीय लिखत इन जोखिमों को वहन करते हैं, लेकिन जनता को इसके बारे में सूचित नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए बैंक जमा केवल 1 लाख रुपये तक की गारंटी देता है। कंपनी एफडी में चूक का जोखिम होता है। एमएफ धारक के पास एकमात्र अतिरिक्त जोखिम मूल्य जोखिम है जो किसी भी निवेश के लिए सही है जिसका बाजार मूल्य (स्थावर संपदा , शेयर, सोना, आदि) है।

अगर म्युचुअल फंड में जोखिम है, तो क्या केवल उच्च जोखिम सहनशीलता वाले लोग ही इसमें निवेश कर सकते हैं?

बिल्कुल नहीं, जोखिमों को कम करने के तरीके और साधन इस प्रकार हैं:

सबसे बड़ा जोखिम बिल्कुल भी निवेश नहीं करना है, क्योंकि मुद्रास्फीति पैसे के मूल्य को कम कर देती है और भविष्य निश्चित से बहुत दूर दिखता है। इसलिए उचित जोखिम लेना और योजना बनाना आवश्यक है।

1. इक्विटी एमएफ एक्सपोजर को अपनी सहनशीलता के भीतर रखें |

2. सुनिश्चित करें कि कर्ज़ एमएफ एक्सपोजर अच्छी तरह से स्प्रेड हुआ है|

3. एफडी, सरकारी बॉण्ड जैसे पीपीएफ, पीओएमआईएस, एनएससी, आरबीआई बॉण्ड आदि जैसे एमएफ के बाहरवाले कर्ज़ परिसंपत्तियों का पर्याप्त एक्सपोजर ।

मैं म्यूचुअल फंड कैसे चुन सकते हैं ?

एक बार जब आप अपना एएपी निर्धारित कर लेते हैं, तो आप कुछ मानदंडों के आधार पर किस फंड में निवेश करना चाहते हैं, इस पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं

जैसे कि

1. निधि का दीर्घावधि निष्पादन रिकॉर्ड (क्या निधि ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर रिटर्न दिया है)।

2. फंड हाउस की व्युत्पत्ति (चाहे एएमसी एक नया प्रवेशी हो या ठोस विश्वास, विशेषज्ञता के साथ एक प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट से हो) ।

म्यूचुअल फंड और संविभाग प्रबंधन स्कीम में क्या अंतर है?

प्रमुख अंतर यह है कि संविभाग प्रबंधन योजनाएं अनन्य और तदनुकूल होने का दावा करता है जबकि म्यूचुअल फंड बना बनाया होता है । संविभाग प्रबंधन योजनाओं में उच्च प्रवेश बाधाएं हैं जैसे न्यूनतम 10 लाख या उससे अधिक का निवेश जबकि एमएफ 1000 रुपये से कम राशि लेते हैं। चूंकि पीएमएस निजी होते हैं इसलिए प्रदर्शन सार्वजनिक डोमेन में ज्ञात नहीं होता है। कुल मिलाकर एक निवेशक पीएमएस के बजाय म्युचुअल फंड के साथ बेहतर है, जब तक कि उसकी जरूरतें/योजना बहुत अनूठी न हों।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने के विभिन्न तरीके क्या हैं?

म्युचुअल फंड, एक मध्यस्थ जैसे ब्रोकर, सलाहकार या सीधे फंड हाउस से ऑनलाइन खरीदा जा सकता है।

म्यूचुअल फंड के विभिन्न प्रकार क्या हैं?

मोटे तौर पर एमएफ के विभिन्न प्रकार (और उप प्रकार) नीचे दिए गए हैं

1. **इक्विटी फंड**

   अ. विविधीकृत (मतलब वे सभी उद्योगों में निवेश करते हैं) ।

   आ. क्षेत्र/थीम विशिष्ट (उस विशेष क्षेत्र या उसके सहयोगी जैसे बुनियादी ढांचे या ऊर्जा या सॉफ्टवेयर आदि में निवेश) ।

   इ. लाभांश उपज (ऐसे शेयर जो ज्यादा लाभांश देते हैं)

   ई. इंडेक्स फंड (निष्क्रिय रूप से प्रबंधित फंड, जो निफ्टी, सेंसेक्स इत्यादि जैसे बेंचमार्क इंडेक्स को ट्रैक करते हैं)

2. **कर्ज़ निधियां**
    अ. आय निधि (दीर्घकालिक बॉण्ड जो कॉरपोरेट, सरकार और अन्य जारीकर्ताओं के बॉण्ड में निवेश करते हैं)
    आ. अल्पकालिक आय निधि (कॉरपोरेट, सरकार, बैंकों सहित जारीकर्ताओं के अल्पकालिक बॉण्ड)
    इ. अस्थिर दर निधियां (उन बॉण्ड में निवेश करते हैं जिनके दर पूर्व निर्धारित समयावधि पर पुनर्निर्धारित हो जाते हैं, जैसे आपका अस्थिर दर गृह ऋण दर, जो ब्याज दरों के ऊपर या नीचे जाने पर पुनर्निर्धारित हो जाते हैं)
    ई. चलनिधि (अत्यंत अल्पावधि बॉण्ड जो 180 दिनों के भीतर परिपक्व होते हैं - अल्पावधि जमा का एक विकल्प)
3. **हाइब्रिड फंड**
    अ. इक्विटी उन्मुख – कर्ज़ निवेश में 65% से अधिक का इक्विटी एक्सपोजरवाला ।
    आ. कर्ज उन्मुख - 65% से अधिक का कर्ज़ एक्पोज़र में और शेष इक्विटी में।
    इ. मासिक आय योजनाएं (इक्विटी एक्सपोजर 10- 25% से लेकर और शेष बॉण्ड में)|
5. **कमोडिटीज़ फंड**: कीमती धातुओं (सोना आदि), धातुओं, ऊर्जा, कृषि वाणिज्य आदि में निवेश करें।
6. **स्थावर संपदा निधियां** : भारत में अभी तक शुरु नहीं किया गया है।

म्युचुअल फंड कौन-सी विभिन्न योजनाओं का प्रस्ताव देते हैं?

निवेशकों के लिए उपलब्ध विभिन्न योजनाएं हैं

1. **विकास** - लाभ (लाभांश) का कोई वितरण नहीं किया जाता है, एक निवेशक को लाभ प्राप्त करने का एकमात्र तरीका पूंजीगत लाभ के माध्यम से इकाइयों को बेचना है।
2. **लाभांश** – इसमें 2 उप प्रकार हैं
    अ. **लाभांश भुगतान** - निवेशक को समय-समय पर उपलब्ध अधिशेष के आधार पर, या तो सीधे जमा या चेक के माध्यम से लाभांश का भुगतान किया जाएगा ।

    उदा: यदि एक फंड 2 रुपये प्रति यूनिट का लाभांश (20% लाभांश) घोषित किया और निवेशक के पास 100 यूनिट हैं तो उसे लाभांश के रूप में 2 * 100 रुपये या 200 रुपये लाभांश के रूप में मिलते हैं।

    आ. **लाभांश पुनर्निवेश**: घोषित लाभांश राशि का उपयोग फंड की अधिक इकाइयों को खरीदने के लिए किया जाता है।
    उदा : एक फंड 2 रुपये प्रति यूनिट का लाभांश घोषित किया और एनएवी 12 रुपये है। यदि निवेशक के पास 100 मूल इकाइयां हैं और उसने लाभांश पुनर्निवेश का विकल्प चुना है, तो उसके पास मूल 100 इकाइयां + पुनर्निवेश 200 रुपये का लाभांश (यानी 200/12 = 16.67 इकाइयां)। लाभांश के पुनर्निवेश के बाद कुल इकाइयां 100 मूल + पुनर्निवेश किए गए 16.67 इकाइयां = कुल 116.67 इकाइयां होंगी ।

लोड और व्यय:

एंट्री/एग्जिट लोड क्या है?

एंट्री या फ्रंट एंड लोड, विपणन और अन्य खर्चों को कवर करने के लिए फंड द्वारा प्रभार की जाने वाली लागत है और आमतौर पर सलाहकार या ब्रोकर को भुगतान किया जाता है।

उदा: यदि आप 100 रुपए निवेश करते हैं और एंट्री लोड 2.00% है तो केवल 98 रुपये का निवेश किया जाता है और 98 रुपये के लिए यूनिट आवंटित की जाती है।

जब निवेशक फंड से बाहर निकलता है या बेचता है तो एक्जिट लोड या बैक एंड लोड को फंड से प्रभार किया जाता है ।

उदा: मान लें कि आपके पास 25000 रुपये की यूनिट है और एक्जिट लोड 1% है तो 250 रुपये काट लिए जाते हैं और आपको 24750 रुपये मिलते हैं।

एक आकस्मिक आस्थगित बिक्री शुल्क (या सीडीएससी) क्या है?

कभी-कभी निधि के विक्रय व्यय को सीधे निधि से चार्ज नहीं किया जाता है, बल्कि जब भी वयूनिट धार्क अपनी यूनिटों को प्रतिदेय करते हैं, उनसे वसूल किया जाता है। इस लोड को सीडीएससी कहा जाता है और यूनिट होल्डिंग की अवधि के व्युत्क्रमानुपाती होता है, यानी आप निधि में जितने लंबे समय तक निवेशित रहेंगे, सीडीएससी लोड उतना ही कम होगा।

प्रबंधन शुल्क और व्यय अनुपात क्या हैं?

अगर मैं म्यूचुअल फंड में निवेश करूंगा, तो अपना पैसा कैसे निकाल सकता है ?

अपनी इकाइयों को निम्नानुसार बेचना आसान है:

ओपन एंडेड फंड के लिए आपको कार्य दिवस पर अपराह्न 3.00 बजे से पहले प्रतिदेय के लिए एक पत्र जमा करना होगा। प्रतिदेय की राशि प्रतिदेय की तारीख से 10 कार्य दिवसों के भीतर चेक द्वारा भेजी जाएगी।

यदि निवेशक के बैंक के साथ सीधे क्रेडिट के लिए फंड का टाई अप है, तो बिक्री की आय को प्रतिदेय तिथि से चौथे कार्य दिवस के अंत में उसके खाते में जमा किया जाएगा।

क्लोज एंडेड फंड के लिए आपको इसे स्टॉक एक्सचेंज में बेचना होगा जहां यह सूचीबद्ध है, और 3 कार्य दिवसों (बिक्री की तारीख + 3 कार्य दिवस) के बाद अपने ब्रोकर से भुगतान प्राप्त कर सकता है ।

जब आप म्यूचुअल फंड यूनिट खरीदते हैं तो आप वास्तव में क्या खरीदते हैं?

आप अपनी खरीद के अनुपात में लाभ या हानि के लिए म्यूचुअल फंड की इकाइयां खरीदते हैं। आपको अपने व्यक्तिगत विवरण के साथ-साथ फंड विवरण की पुष्टि करने वाला एक विवरण प्राप्त होता है।

एनएवी क्या है?

एनएवी फंड की प्रति यूनिट एसेट वैल्यू है। सरल शब्दों में यह वह मूल्य है जो उस विशेष दिन पर फंड खरीद के लिए उपलब्ध होता है। उसी की गणना करने के लिए प्रयुक्त सूत्र इस प्रकार है

एनएवी = योजना निवेशों के बाज़ार/ उचित मूल्य + प्राप्य राशि + उपचित आय

+ अन्य आस्तियं - उपचित व्यय – देय राशि – अन्य देयताएं

बकाया इकाईयों की संख्या

बिक्री/खरीद मूल्य क्या है?

बिक्री मूल्य, एनएवी और फ्रंट एंड/एंट्री लोड को जोडने से मिलता है । उदाहरण के लिए: यदि एनएवी 10 रुपये है और प्रवेश भार 2.0% है तो बिक्री मूल्य 10.20 रुपये प्रति यूनिट है।

प्रतिदेय मूल्य क्या है?

प्रतिदेय मूल्य, बैक एंड / एग्जिट लोड को जोडकर एनएवी को कम करने से मिलता है। उदाहरण के लिए: अगर एनएवी 12 रुपये है और एग्जिट लोड 1% है तो प्रतिदेय मूल्य 12-0.12 (12 रुपये का 1%) = 11.88 रुपये है।

एसआईपी क्या है?

एसआईपी लंबी अवधि में धन संचय करने का एक आसान तरीका है। म्युचुअल फंड में मासिक/त्रैमासिक रूप से एक निश्चित तारीख पर एक निश्चित संख्या में महीनों के लिए पैसा निवेश किया जाता है। तो आप एक वर्ष या उससे अधिक के लिए 500 रुपये या 1000 रुपये जितना छोटा निवेश कर सकते हैं। यह आपको पूंजी जमा करने में मदद करता है, कम अस्थिर है क्योंकि निवेश कई महीनों में फैला हुआ है और यह बाजारों को समझने का एक शानदार तरीका है।

क्या एसआईपी के जरिए निवेश करना सही उपाय है? क्यों?

सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी शुरुआत कर सकते हैं। एक और फायदा है रुपये की औसत लागत , क्योंकि एसआईपी आपको , स्वचालित रूप से एनएवी अधिक होने पर (चूंकि प्रति माह राशि तय है) और एनएवी कम होने पर इकाइयों की अधिक संख्या और कम संख्या में यूनिट खरीदकर खरीद की लागत को कम करने में मदद करता है।

एसडब्ल्यूपी क्या है?

एसडब्ल्यूपी एसआईपी के विपरीत है जो निवेश को एकमुश्त किया जाता है और नियमित (मासिक या त्रैमासिक) अंतराल पर एक निश्चित राशि निकाली जाती है।

एनआरआई निवेश एनआरआई कौन है? क्या मैं एनआरआई हूं?

एनआरआई भारत के बाहर रहने वाला एक व्यक्ति है जो भारत का नागरिक है या भारतीय मूल का व्यक्ति (पीआईओ) या भारत का विदेशी नागरिक है।

एक भारतीय नागरिक या भारतीय मूल का एक विदेशी नागरिक जो 182 दिनों या उससे अधिक के लिए रोजगार / व्यवसाय / छुट्टी के लिए विदेश में रहता है या विदेश में रहने की अनिश्चित अवधि के इरादे का संकेत देता है, वह अनिवासी भारतीय (एनआरआई) है।

जो लोग व्यावसायिक यात्राओं पर, चिकित्सा उपचार के लिए, या ऐसे अन्य उद्देश्यों के लिए विदेश में रहते हैं, जो अनिश्चित काल के लिए वहाँ रहने के इरादे का संकेत नहीं देते हैं, उन्हें अनिवासी भारतीय नहीं माना जाता है। उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले छात्रों और मर्चेंट नेवी कर्मियों को एनआरआई माना जाता है।

क्या एनआरआई भारतीय म्युचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं?

हां, एनआरआई भारतीय म्युचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं

भारतीय म्युचुअल फंड में निवेश करने की अनुमति किसे नहीं है?

विदेशी वाणिज्यिक निकायों (ओसीबी) को भारतीय म्युचुअल फंड में निवेश करने की अनुमति नहीं है

एक एनआरआई भारतीय म्युचुअल फंड में कैसे निवेश कर सकता है?

आवेदन पत्र ऑनलाइन भरकर या हार्डकॉपी के साथ संबंधित फंड या उनके आर एंड टी कार्यालय में जमा करने के द्वारा। यदि निवेश रुपये के मसौदे या बैंकर्स चेक के साथ है, तो नियम इस प्रकार हैं:

- एक विदेशी आवक प्रेषण प्रमाणपत्र (एफआईआरसी) या
- धन के स्रोत की पुष्टि करने के लिए बैंक द्वारा जारी किया गया पुष्टिकरण पत्र और
- रुपये के मसौदे/बैंकर्स चेक की फोटोकॉपी

यदि आवेदन एनआरआई एनआरई / एनआरओ खाते के रुपये के चेक के साथ है, तो भरे हुए फॉर्म, चेक और चेक की फोटोकॉपी जमा करनी होगी।

क्या एनआरआई को भारतीय म्युचुअल फंड में निवेश करने के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) की आवश्यकता होती है?

हां, एनआरआई को भारतीय म्युचुअल फंड में निवेश करने के लिए पैन की आवश्यकता होती है ।

क्या एनआरआई को अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है?

हां, एनआरआई को केवाईसी प्रक्रिया का पालन करना चाहिए ।

क्या एनआरआई अपने निवासी देश की मुद्रा में निवेश कर सकते हैं?

नहीं, एनआरआई केवल रुपए में निवेश कर सकते हैं और निवेश करने से पहले विदेशी मुद्रा को आईएनआर में परिवर्तित करने की आवश्यकता है।

एक एनआरआई धन का प्रतिदेय कैसे करेगा ?

रिडेम्पशन स्लिप या रिडेम्पशन के लिए एक पत्र भरकर, और उसे आर एंट टी को अग्रेषित करके या ऑनलाइन रिडेम्पशन अनुरोध देकर।

क्या प्राप्तियों को उनके देश की मुद्रा में वापस प्रत्यावर्तित किया जा सकता है?

हां, यदि निवेश के लिए धन एनआरई खाते से उत्पन्न होता है तो उन्हें वापस प्रत्यावर्तित किया जा सकता है ।

क्या एनआरआई एसआईपी में नामांकन कर सकते हैं?

हां एनआरआई एसआईपी में नामांकन कर सकते हैं ।

अनिवासी भारतीयों पर लागू कर की दरें क्या हैं? **

एनआरआई के लिए लाभांश

इक्विटी योजनाएं : कर मुक्त

कर्ज़ योजनाएं : कर मुक्त

लाभांश वितरण कर (फंड द्वारा कटौती किया गया और सीधे भुगतान किया गया)

इक्विटी स्कीम: शून्य

कर्ज़ योजनाएं: 12.5% + 10% डीडीटी पर अधिभार और 3% उपकर कुल 14.163%

चल या मुद्रा बाजार योजनाएं: 25% +10% डीडीटी पर अधिभार + 3% उपकर कुल 28.325%

कैपिटल गेन

दीर्घावधि

इक्विटी योजनाएं : शून्य

कर्ज़ योजनाएं : 11.33% बिना सूचीकरण के

सूचीकरण के साथ 22.66%

अल्पावधि

इक्विटी योजनाएं : 15% फ्लैट +10% अधिभार + 3% उपकर

कर्ज़ योजनाएं : 30% फ्लैट + 10% अधिभार + 3% उपकर

सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स: प्रतिदेय या स्विच के समय इक्विटी फंड पर 0.25% की कटौती

एनआरआई के लिए स्त्रोत पर कर की कटौती

इक्विटी अल्पावधि कैपिटल गेन: 11.33%

कर्ज़ अल्पावधि कैपिटल गेन: 33.99%

कर्ज़ दीर्घावधि कैपिटल गेन: 22.66%

** कर की दरें परिवर्तन के अधीन हैं

अमेरिकी निवेशक

एनआरआई/पीआईओ, यू.एस. स्थित एसेट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा प्रवर्तित फंडों को छोड़कर सभी भारतीय म्युचुअल फंडों में निवेश कर सकते हैं।